अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर
साप्ताहिक योग प्रशिक्षण शिविर एवं योग-अध्यात्म-शैक्षिक कार्यशाला
15 से 21 जून, 2018 श्रीगोरखनाथ मन्दिर, गोरखपुर

प्रेस विज्ञप्ति (द्वितीय सत्र)

प्रकाशनार्थ, 18 जून। महायोगी गुरु गोरखनाथ योग संस्थान एवं महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आयोजित साप्ताहिक योग प्रशिक्षण शिविर एवं योग-अध्यात्म-शैक्षिक कार्यशाला के चौथे दिन के शैक्षिक सत्र में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा संचालित सभी गैर अनुदानिक प्राथमिक विद्यालयों एवं इण्टर कालेजों के शिक्षकों एवं प्रधानाचार्यो की "हमारी संस्था: साध्य , साधना और संकल्प" विषय पर आयोजित कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रो 0 उदय प्रताप सिंह ने कहा कि हमारी संस्थाओं का साध्य वही है जो महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् का साध्य है। महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज ने महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की स्थापना राष्ट्र भक्त नागरिकों के निर्माण के लिए की थी। महाराज जी का मानना थी कि किसी भी देश का विकास सामाजिक , सांस्कृतिक और आर्थिक विकास से ही सम्भव है और इसके लिए शिक्षा मूल आधार है। अतः हमारी संस्थाओं का उद्देश्य व्यक्ति निर्माण होना चाहिए जो भारत की सामाजिक , सांस्कृतिक मूल धारा के अनुरूप हो।

इस अवसर पर महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के सदस्य श्री प्रमथनाथ मिश्र ने कहा कि आधुनिक युग विज्ञान एवं तकनीकि का युग है। शिक्षण-प्रशिक्षण संस्थाओं को अत्याधुनिक तकनीकि से युक्त होना पड़ेगा। वर्तमान युग की चुनौतियों के अनुरूप हमें परम्परागत शिक्षा और युगानुकुल शिक्षा के बीच समन्वय स्थापित करना होगा। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की संस्थाएं देश और समाज को समर्पित संस्थाएं है इसलिए उनकी भूमिका सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। महाराणा प्रताप सीनियर सेकेण्डरी स्कूल , मंगला देवी बेतियाहाता के प्रधानाचार्य श्री ए 0के0राय ने कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए कहा कि हमारी टीम शिक्षा और संस्कार को साधने की टीम है। हम अपनी शिक्षण संस्थाओं को निरंतर योजना, क्रियान्वयन और मूल्यांकन के आधार पर विकसित कर रहे है। महाराणा प्रताप सीनियर सेकेण्डरी स्कूल , रामदत्तपुर की प्रधानाचार्या श्रीमती वन्दना त्रिपाठी ने कहा कि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद प्रारम्भ से ही महिलाओं के शिक्षा के प्रति सक्रिय

रही है। इस क्षेत्र में कन्या इण्टर कालेजों की स्थापना के साथ-साथ 1948 में प्रथम महिला महाविद्यालय की स्थापना महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज ने की थी जिसे बाद में गोरखपुर विश्वविद्यालय की स्थापना हेतु समर्पित कर दिया गया। जुलाई से नये परिवेश में होने जा रहा यही इण्टर कालेज बालिकाओं के शिक्षा के क्षेत्र में एक मील का पत्थर साबित होगा। गुरू गोरखनाथ विद्यापीठ , भरोहिया, पीपीगंज के प्रधानाचार्य श्री मनीष दूबे ने कहा कि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद का सी 0बी0एस0ई बोर्ड को पहला इण्टर कालेज होने की जो प्रतिष्ठा हमारे विद्यालय को मिली है शिक्षा की गुणवत्ता के क्षेत्र में भी हम उसे कामय रखेंगे। इस अवसर पर श्री विजय कुमार सिंह , श्री गोपाल वर्मा, श्रीमती वन्दना पाण्डेय , श्रीमती माधवी मिश्रा , श्री विजय दूबे , श्री विरेन्द्र मोहन त्रिपाठी, श्री प्रवीण सिंह , श्री उमेश चन्द्र , श्री जय मद्धेशिया , श्री दुर्गेश पाठक , श्री शमशेर यादव, श्री मनीष अग्रहरि , श्री श्वेता चन्द्रा आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किये। प्रस्ताविकी एवं संचालन डॉ0 प्रदीप राव ने किया।